

सेवा मे .

दिनांक- 14-09-2010

सचिव

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रा
भारत सरकार स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग
निर्माण भवन नई दिल्ली

BULANDSHANAR KUTCHERY (201
SP:EU172904402511
Counter No:1, DP-Code:PA
To: S.C. HEALTH, PARIVAR,
New Delhi, PIN:110
From: DR ASHOK KUMAR, CHAND PUR ROAD DE
Wt:110grams,
Ant:29.00, 14/09/2010, 11:17
Taxes:Rs.4.00<<Track on www.indiapost.2

विषय- नैचरोपैथी की जानकारी के सन्दर्भ मे ।
महोदय,

जैसा कि आपको विगत होगा कि मेडिकल काउंसिल आफ इन्डिया एक्ट 1956 (एलोपैथी के लिए) सी0सी0आई0एम0 एक्ट 1970 (आयुर्वेद, युनानी सिद्ध के लिए) सी0सी0एच0एक्ट 1973 (होम्योपैथी के लिए) के परिषद के गठन के उपरान्त इन चिकित्सा पद्धतियों को चिकित्सा शिक्षा उपरोक्त एक्ट के अधीन किया जा रहा है । जब कि नैचरोपैथी भारत सरकार एवं समस्त राज्यों सरकारों द्वारा मान्यता प्राप्त है । अभी तक भारत सरकार ने प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति की शिक्षा, शिक्षा संस्थानों के संचालन और इन पर आधारित उपचारक/चिकित्सकों के लिए आचार संहिता नियमों का निर्धारण नहीं किया गया है और न कोई एक्ट स्थापित किया गया है । जिसके कारण भारत में नैचरोपैथी की चिकित्सा-शिक्षा के लिए कोई कानून न होने के कारण सरकार द्वारा पंजीकृत दर्जनों संस्थाएँ जो नैचरोपैथी के विकास प्रचार-प्रसार अनुसंधान के लिए विधिवत रूप से भारतीय संविधान के एक्ट 21,1860 के अधीन पंजीकृत हैं । और नैचरोपैथी की शिक्षा-दीक्षा प्रशिक्षण उपरान्त सफल अभ्यर्थियों को नैचरोपैथी के डिप्लोमा प्रमाण-पत्र प्रदान कर रही है । जो कानून न होने के कारण अतः पूर्ण रूप से वैध है । इसी तरफ विश्वविद्यालय द्वारा भी नैचरोपैथी की शिक्षा - दीक्षा प्रशिक्षण के उपरान्त डिग्री - डिप्लोमा प्रदान किये जा रहे हैं । ये भी वैध है क्योंकि भारतीय संविधान के अर्न्तगत विश्वविद्यालय एवं पंजीकृत संस्थाएँ द्वारा प्रदत्त डिग्री या डिप्लोमा इसी लिए मान्य है क्योंकि अभी तक नैचरोपैथी के लिए कोई एक्ट/कानून सरकार द्वारा स्थापित नहीं किया गया है । जैसा कि आप को विदित होगा कि आयुर्वेद के 1970 एवं होम्योपैथी के 1973 में एक्ट बनने के उपरान्त उन सभी चिकित्सकों को वैध माना गया है । जिन्होंने 1970 एवं 1973 से पूर्व किसी भी संस्था से कोई भी डिप्लोमा प्राप्त किया हो वे सभी वैध हैं । इसी तरह अभी तक सरकार द्वारा कानून न बनाने के कारण नैचरोपैथी में पंजीकृत संस्थाओं द्वारा प्रदत्त डिप्लोमा पूर्ण रूप से वैध है ।

बोर्ड आफ नेचुरोपैथी सिस्टम आफ मेडिसिन उ0प्र0 अधीन इन्द्रप्रस्थ शिक्षा प्रचार समिति जो उ0प्र0 सरकार द्वारा सोसाईटी एक्ट के अधीन पंजीकृत है जिसकी पंजीकृत संख्या 1309/09 है ।

जो अपने पंजीकृत उद्देश्य के अनुसार नैचरोपैथी एवं योगा की संस्थाओं का संचालन कर इसकी शिक्षा-दीक्षा, प्रशिक्षण हेतु परीक्षा का आयोजन कर सफल अभ्यर्थियों को डी0एन0वाई0एस तीन वर्षीय , बी0एन0वाई0एस0 साढ़े चार वर्षीय , एवं एन0डी0 एक वर्षीय डिप्लोमा प्रमाण पत्र प्रदान करती है जो सोसाईटी एक्ट के अधीन पूर्ण रूप से मान्य इसलिए है क्योंकि अभी तक केन्द्र सरकार/उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोई सरकारी बोर्ड अथवा कानून का गठन नहीं किया गया है तथा यह संस्था नैचरोपैथी का प्रचार-प्रसार एवं शिक्षण संस्थाएँ स्थापित करने हेतु पंजीकृत है ।